कुमार जीवन - 18

अव्यक्त बापदादा :-

➳ _ ➳ **सेकेण्ड में सोचा और किया - यही हाई जम्प है...** कुमारों से :- सभी अविनाशी कुमार हैं। कुमार- कुमारियों को एक्स्ट्रा मार्क्स किस बात की मिलती है और क्यों मिलती है। कुमार कुमारियाँ अपने इस जीवन में सब-कुछ देखते हुए जानते हुए, फिर भी **दृढ़ संकल्प कर दृढ़ त्यागी बनते हैं। उस त्याग का भाग्य मिलता है।** प्रवृत्ति वाले अल्पकाल का सुख भोगकर फिर त्याग करते हैं और कुमार कुमारी विनाशी अल्पकाल के सुख का पहले ही दृढ़ संकल्प से त्याग कर देते हैं। इसलिए उन्हें **चान्स मिलता है हाई जम्प लगाने का।**

➳ _ ➳ कुमार और कुमारी जीवन लौकिक और अलौकिक दोनों जीवन में निर्बन्धन है। निर्बन्धन होने के कारण जितना आगे बढ़ाना चाहें, बढ़ा सकते हैं। तो सभी हाई जम्प वाले हो ना? **सेकेण्ड में सोचा और किया, यही हाई जम्प है। सोचना और करना साथ-साथ हो।** कुमार और कुमारियों को देख बाप-दादा विशेष खुश होते हैं क्योंकि गिरने से बच गये। **दु:ख की सीढ़ी चढ़ी ही नहीं।** तो बचे हुए को देख खुशी होती है। **(28-12-1979)**

➢➢ पुरुषार्थ के मुख्य बिंदु

➳ _ ➳ अल्पकाल के सुखों में एक भ्रम उत्पन्न होता है.. जिसमे

→ दु:ख सुख की तरह भासता है

- और मनुष्य को धोखा होता है

➳ _ ➳ डबल लाइट फ़रिश्ता अर्थात

→ देह , देह के संबंधो , देह के पदार्थो से कोई लेन देन नहीं... कोई हिसाब किताब नहीं... कोई रिश्ता नहीं

- सभी लेन देन .. सभी हिसाब किताब एक बाप से

➢➢ कुमारों को विवाह न करके क्या क्या प्राप्तियां होती है ?

➳ _ ➳ उल्टी सीडी चडने से बच गए

➳ _ ➳ बंधनमुक्त हो गए

➳ _ ➳ हाई जम्प मिल गया

→ सोचना और करना दोनों समान हो जाते हैं

➳ _ ➳ उसके कार्य में पूरा का पूरा मददगार बन सकते हैं

➳ _ ➳ देहधारियों को जितना भी खुश करो... अंत में हाथ में कुछ नहीं आता है...

→ एक परमात्मा को खुश करने पर वह अपना सब कुछ तुम पर न्योछावर कर देता है

- ह्रदय में एक राम रखना बहुत आसान
- अकेले चलने का सामर्थ्य उनमे होता है
- बिना भोग किये त्याग करते हैं
  - → जिसके एक्स्ट्रा मार्क्स मिलते हैं
  - → व्यर्थ की स्मृतियों से मुक्त होने का पुरुषार्थ ही नहीं करना पड़ा
    - यह बहुत बड़ी Advantage है कुमारों को